CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION
GOVERNMENT OF INDIA
5-B, C.G.O. COMPLEX,
LODHI ROAD,
NEW DELHI-110003

D. O. No. 342/1-9/2014-15/रा.भा.

Dated 19.08.2014

Ranjit Sinha
DIRECTOR

संदेश

प्रिय साथियों,

हिंदी दिवस के अवसर पर मेरी शुभकामनाएं।

हिंदी हमारे देश की सबसे बड़ी सम्पर्क भाषा है। देश के अधिकांश लोग हिंदी समझते, बोलते और लिखते हैं। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी ने जन-जन को एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य किया था। इस बात को महत्व देते हुए भारत की संविधान सभा ने 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को देश की राजभाषा का दर्जा दिया था। शासन प्रशासन का कार्य राजभाषा में करने से सरकार और जनता के बीच परस्पर विश्वास बढ़ता है जो कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को मूर्त रूप देने में अत्यंत आवश्यक है।

2. आज वैश्वीकृत और उदारीकृत अर्थव्यवस्था ने हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के महत्व को रेखांकित किया है। बहुराष्ट्रीय कम्पनियां अपने कारोबार के विस्तार के उद्देश्य से भारत को अपने एजेंडे में सर्वोच्च प्राथमिकता देती हैं। अपने उत्पादों को ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए उन्हें हिंदी एवं अन्य भाषाओं का सहारा लेना पड़ता है। इससे हिंदी का प्रचार-प्रसार सहज रूप से हो रहा है। इसके अलावा आज विश्व के अनेक देशों के विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जाती है । आज हिंदी विश्व की सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में शुमार है।

3. प्रौद्योगिकी के विकास के चलते आज माइक्रोसॉफ्ट जैसी कम्पनियों ने ऐसे सॉफ्टवेयर विकसित कर लिए हैं जिनमें रोमन लिपि का प्रयोग करके हिंदी में आउटपुट प्राप्त करने की अनोखी सुविधा उपलब्ध है। अब सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग न करने का कोई वाजिब कारण नहीं है। केवल संकल्प के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। सी.बी.आई. देश की एक भरोसेमंद और प्रतिष्ठित संस्था है। हमने निष्पक्षता तथा कर्तव्यनिष्ठा के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। आइए, हम राजभाषा कार्यान्वयन में भी इसी दृढ़ता के साथ कदम बढ़ाएं। मुझे विश्वास है कि इस क्षेत्र में भी सी.बी.आई. अपना परचम लहराएगी।

जय हिंद।

23/08

रणजीत सिन्हा